जग कल्याण न होता,

यदि त्रेता में राम न होते,
दवापर घनश्याम न होते,
यदि चारो धाम न होते
तो जग कल्याण न होता,

यदि राम सिया का
वन दमन न होता,
तो दशरथ जी का
मरण न होता,

सीता चुराई न जाती
लंका जाती न जलाई,
यदि रावण मरण न होता
तो जग कल्याण न होता,

यदि अर्जुन के संग
श्री कृष्ण न होते,
तो नर दुर्योधन हरे न होते,
राज नहीं जाता सरताज नहीं जाता,

यदि महाभारत न होता
तो जग कल्याण न होता

यदि राम के संग में
हनुमान न होते ,

तो लक्ष्मण जी बचे
प्राण न होते,
कौन सांजवणी लता
कौन बूटी पिलाता,

यदि लक्ष्मण जिंदा न होते
तो जग कल्याण न होता
यदि भक्तो के संग भगवान ना होते,
तो सारी उम्र के अरमान ना होते,

अरमान नही होता समान नही होता,
यदि गुरु का ज्ञान न होता,
तो जग कल्याण न होता

Source:
https://www.bharattemples.com/jag-kalyan-na-hota-davapar-ghanshyam-na-hote-yadi-treta-me-ram-na-hote/

Bharat Temples

Complete Bhajans Collections - Download Free Android App

https://play.google.com/store/apps/details?id=com.numetive.bhajans

Facebook: https://www.facebook.com/bharattemples/
Telegram: https://t.me/bharattemples
Youtube: https://www.youtube.com/channel/UC24oJCxZJyhhKzSUD-Lt9Tw